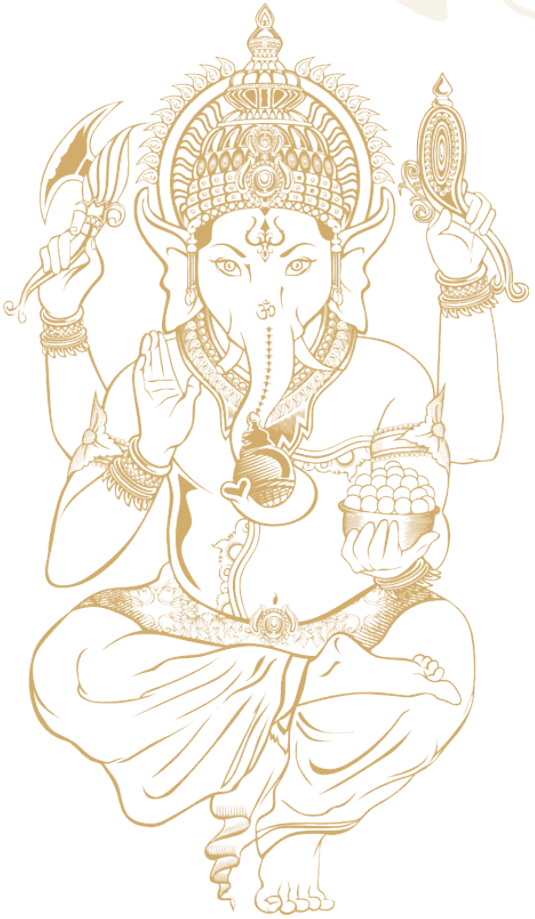

Mr.khushdeep

11 Aug 2007

03:00 AM

Kot Kapura

Model: web-freekundliweb

Order No: 120338008

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10-11/08/2007**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	52:46:13 घटी
स्थान	**Kot Kapura**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:35:00 उत्तर
रेखांश	74:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:29:36 घंटे
वेलान्तर	-00:05:26 घंटे
साम्पातिक काल	23:45:31 घंटे
सूर्योदय	05:53:30 घंटे
सूर्यास्त	19:17:34 घंटे
दिनमान	13:24:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:54:38 कर्क
लग्न के अंश	16:06:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:06:08	316:58:00	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	23:54:38	00:57:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	28:40:54	13:26:23	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृष	08:23:36	00:38:34	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	कर्क	18:32:25	02:03:41	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			वृश्चि	15:59:13	00:00:42	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	05:07:36	00:31:02	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
शनि		अ	सिंह	03:09:23	00:07:35	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	13:09:16	00:02:37	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:09:16	00:02:37	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	23:52:04	00:01:58	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप	व		मक	26:44:45	00:01:38	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	02:31:52	00:00:49	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	02:05:27	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:56

लग्न-चलित

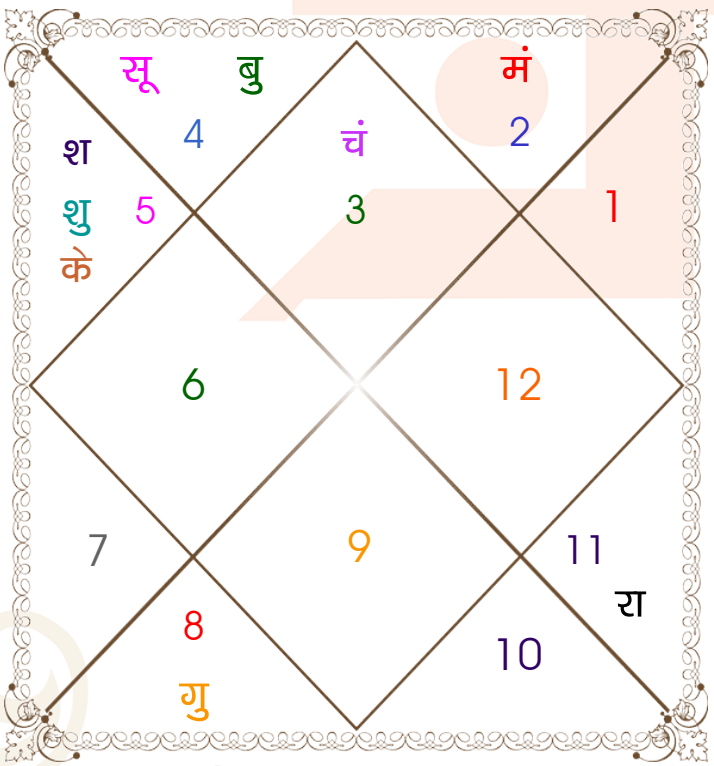

चन्द्र कुंडली

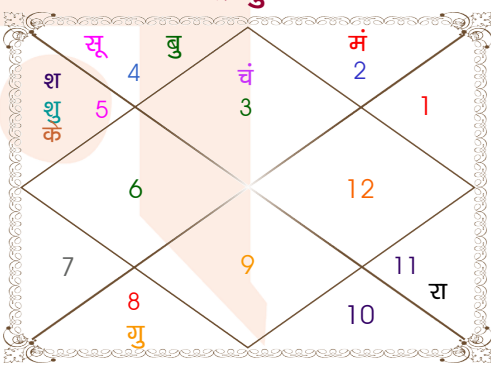

नवमांश कुंडली

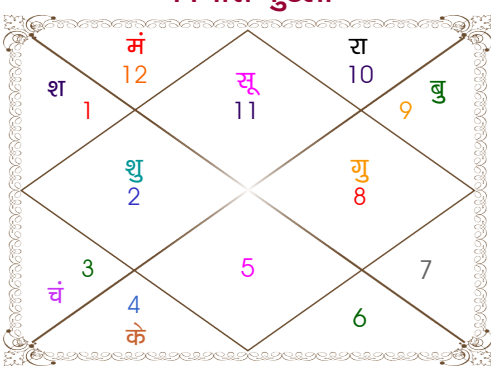

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 6 मास 29 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/08/2007		10/03/2013		10/03/2032		10/03/2049		10/03/2056	
10/03/2013		10/03/2032		10/03/2049		10/03/2056		10/03/2076	
	00/00/0000	शनि	13/03/2016	बुध	07/08/2034	केतु	07/08/2049	शुक्र	11/07/2059
	00/00/0000	बुध	21/11/2018	केतु	04/08/2035	शुक्र	07/10/2050	सूर्य	10/07/2060
	00/00/0000	केतु	31/12/2019	शुक्र	04/06/2038	सूर्य	12/02/2051	चंद्र	11/03/2062
	11/08/2007	शुक्र	02/03/2023	सूर्य	10/04/2039	चंद्र	13/09/2051	मंगल	11/05/2063
शुक्र	22/09/2007	सूर्य	12/02/2024	चंद्र	09/09/2040	मंगल	09/02/2052	राहु	11/05/2066
सूर्य	10/07/2008	चंद्र	12/09/2025	मंगल	06/09/2041	राहु	26/02/2053	गुरु	09/01/2069
चंद्र	09/11/2009	मंगल	22/10/2026	राहु	25/03/2044	गुरु	02/02/2054	शनि	10/03/2072
मंगल	16/10/2010	राहु	28/08/2029	गुरु	01/07/2046	शनि	14/03/2055	बुध	09/01/2075
राहु	10/03/2013	गुरु	10/03/2032	शनि	10/03/2049	बुध	10/03/2056	केतु	10/03/2076

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/03/2076		11/03/2082		10/03/2092		11/03/2099		11/03/2117	
11/03/2082		10/03/2092		11/03/2099		11/03/2117		00/00/0000	
सूर्य	28/06/2076	चंद्र	09/01/2083	मंगल	06/08/2092	राहु	22/11/2101	गुरु	30/04/2119
चंद्र	27/12/2076	मंगल	10/08/2083	राहु	25/08/2093	गुरु	17/04/2104	शनि	10/11/2121
मंगल	04/05/2077	राहु	08/02/2085	गुरु	01/08/2094	शनि	22/02/2107	बुध	16/02/2124
राहु	29/03/2078	गुरु	10/06/2086	शनि	10/09/2095	बुध	10/09/2109	केतु	22/01/2125
गुरु	15/01/2079	शनि	09/01/2088	बुध	06/09/2096	केतु	29/09/2110	शुक्र	12/08/2127
शनि	28/12/2079	बुध	10/06/2089	केतु	02/02/2097	शुक्र	28/09/2113		00/00/0000
बुध	03/11/2080	केतु	09/01/2090	शुक्र	04/04/2098	सूर्य	23/08/2114		00/00/0000
केतु	10/03/2081	शुक्र	10/09/2091	सूर्य	10/08/2098	चंद्र	22/02/2116		00/00/0000
शुक्र	11/03/2082	सूर्य	10/03/2092	चंद्र	11/03/2099	मंगल	11/03/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 7 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।